

# मुगल साम्राज्य का इतिहास , संपूर्ण शासक, प्रशासन

## परिचय -

नमस्कार दोस्तों! क्या आप जानना चाहते हैं कि दिल्ली का लाल किला और आगरा का ताजमहल किस साम्राज्य की देन हैं? NCERT Class 7 के चौथे अध्याय "मुगल साम्राज्य" में हम उसी विशाल साम्राज्य के बारे में पढ़ेंगे, जिसने 300 साल से भी ज्यादा समय तक भारत पर शासन किया।

यह टॉपिक केवल स्कूल की परीक्षाओं के लिए ही नहीं, बल्कि UPSC, SSC, Railway, CTET और अन्य सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस पूरे ब्लॉक में हम मुगल साम्राज्य के इतिहास (Mughal Empire history PDF) को शुरू से लेकर अंत तक, बिल्कुल आसान भाषा में समझेंगे। साथ ही, हम ऐसे नोट्स बनाएंगे जिन्हें परीक्षा से एक रात पहले पढ़कर आप टॉप कर सकते हैं।

प्रश्न: मुगल साम्राज्य क्या है?

मुगल साम्राज्य एक शक्तिशाली तुर्की-मंगोल साम्राज्य था जिसने 1526 से 1857 ईस्वी तक भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिस्से पर शासन किया। इसकी स्थापना बाबर ने पानीपत की पहली लड़ाई (1526) में इब्राहिम लोदी को हराकर की थी। अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब इसके प्रमुख शासक रहे।

## Sources of Content Creation

यह लेख निम्नलिखित प्रामाणिक स्रोतों पर आधारित है:

- NCERT की पाठ्यपुस्तक "हमारे अतीत - II" (कक्षा 7, अध्याय 4)
- CBSE मानक संदर्भ पुस्तकें
- विगत वर्षों के UPSC, SSC और राज्य स्तरीय परीक्षाओं के प्रश्न-पत्र
- शैक्षिक अनुसंधान सामग्री (Educational Research Materials)
- UPSC और NCERT का आधिकारिक पाठ्यक्रम विश्लेषण

कॉपीराइट नोट: सभी अवधारणाओं को मौलिक रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह लेख मूल NCERT पुस्तक का एक विकल्प है, न कि सीधी प्रतिलिपि। सभी उदाहरण स्व-लिखित हैं।

## 1. मुगल कौन थे?

मुगल (Mughals) कोई सामान्य राजा नहीं थे। वे दुनिया के दो सबसे बड़े विजेताओं के वंशज थे।

- माता की ओर से: वे मंगोल नेता चंगेज खान (जिनकी मृत्यु 1227 में हुई) के वंशज थे।
- पिता की ओर से: वे तुर्की के महान विजेता तैमूर (जिनकी मृत्यु 1404 में हुई) के वंशज थे।

मुगलों को 'मंगोल' क्यों नहीं कहा जाता था?

हालांकि वे मंगोल थे, लेकिन मुगल अपने आप को 'मंगोल' (Mongol) कहलवाना पसंद नहीं करते थे।

- कारण 1: चंगेज खान के नाम के साथ नरसंहार (Massacre) और आतंक की याद जुड़ी थी।
- कारण 2: उनके समकालीन प्रतिद्वंदी 'उज़बेग' (Uzbegs) भी मंगोल ही थे।



- पसंद: वे अपने आप को तैमूर का वंशज कहलवाना पसंद करते थे, क्योंकि तैमूर ने 1398 में दिल्ली पर कब्जा किया था और उनकी सांस्कृतिक विरासत बहुत समृद्ध थी।

## 2. मुगल शासकों का कालक्रम

परीक्षा में सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले प्रश्नों में से एक है शासकों का सही क्रम। आइए, एक टेबल से समझते हैं:

शासक	शासन काल	प्रमुख उपलब्धि/तथ्य
बाबर (Babur)	1526 – 1530	मुगल साम्राज्य का संस्थापक (पानीपत का प्रथम युद्ध)।
हुमायूँ (Humayun)	1530 – 1540; 1555 – 1556	शेरशाह सूरी से हारकर भागा, बाद में वापसी की।
अकबर (Akbar)	1556 – 1605	सबसे महान शासक। मनसबदारी प्रणाली बनाई, सुलह-ए-कुल की नीति।
जहाँगीर (Jahangir)	1605 – 1627	अंग्रेजों (कैप्टन हॉकिन्स) का आगमन। नूरजहाँ का प्रभाव।
शाहजहाँ (Shah Jahan)	1628 – 1658	ताजमहल का निर्माण। 'राजकुमारों का युद्ध'।
औरंगज़ेब (Aurangzeb)	1658 – 1707	अंतिम सशक्त शासक। दक्कन नीति, हिंदू देवालय तोड़े।

## 3. मुगल साम्राज्य का विस्तार: बाबर से औरंगजेब तक

बाबर (1526-1530): नींव की ईंट

- पृष्ठभूमि: केवल 12 साल की उम्र में फरगना (मध्य एशिया) का शासक बना, लेकिन उज़्बेकों के आक्रमण के कारण अपना राज्य खो बैठा।
- भारत पर आक्रमण:
  - **1526:** पानीपत का प्रथम युद्ध – इब्राहिम लोदी को हराया। इस युद्ध में तोपों (Artillery) का कुशल प्रयोग पहली बार देखने को मिला।
  - **1527:** खानवा का युद्ध – राणा सांगा (मेवाड़) को हराया।
  - **1528:** चंदेरी का युद्ध – मेदिनी राय को हराकर पूर्वी भारत में पैर जमाए।

हुमायूँ (1530-1556): उतार-चढ़ाव की कहानी

बाबर के बेटे हुमायूँ का शासन अस्थिर रहा।

- 1539: चौसा का युद्ध – शेरशाह सूरी से हार।
- 1540: कन्नौज का युद्ध – फिर से हार कर ईरान भाग गया।
- 1555: ईरान की मदद से दिल्ली की गद्दी वापस पाई, लेकिन 1556 में पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर उसकी मृत्यु हो गई।



## अकबर (1556-1605): सुनहरा युग

- शुरुआत: केवल 13 साल की उम्र में शासक बना। शुरु में बैरम खान उसका संरक्षक था।
- पानीपत का द्वितीय युद्ध (1556): अकबर की सेना ने हेमू को हराकर मुगल सत्ता मजबूत की।
- विस्तार: अकबर ने राजपूतों से संधि की, गुजरात, बंगाल, कश्मीर और दक्कन के कुछ हिस्सों पर कब्जा किया।

## औरंगजेब (1658-1707): विस्तार का अंत

औरंगजेब ने दक्कन (बीजापुर, गोलकुंडा) के सुल्तानों को हराकर साम्राज्य को सबसे ज्यादा विस्तार दिया। उसके समय तक मुगल साम्राज्य लगभग पूरे भारत में फैल चुका था।

## 4. मुगल काल में प्रशासनिक व्यवस्था

मुगलों ने एक बहुत मजबूत प्रशासनिक ढांचा तैयार किया था, जिसकी बदौलत इतने बड़े साम्राज्य का नियंत्रण संभव था।

### मनसबदारी प्रणाली (Mansabdari System - सबसे महत्वपूर्ण टॉपिक)

यह प्रणाली अकबर ने लागू की थी।

- मनसबदार (Mansabdar): वह अधिकारी जो मुगल सेना और प्रशासन में काम करता था।
- दोहरी रैंक:
  - जात (Zat): यह व्यक्ति की वेतन और रैंक तय करता था। जात जितनी ऊंची, अधिकारी उतना बड़ा।
  - सवार (Sawar): यह बताता था कि उसके पास कितने घुड़सवार (सैनिक) हैं।
- जागीर (Jagir): मनसबदारों को वेतन के रूप में जागीर (भूमि) दी जाती थी। मनसबदार उस जागीर का राजस्व (Tax) वसूल करता था।

### ज़ब्त प्रणाली / भू-राजस्व व्यवस्था (Revenue System)

- अकबर ने राजा टोडरमल की मदद से एक स्थिर राजस्व प्रणाली बनाई।
- दहसाला प्रणाली: पिछले 10 साल के औसत उत्पादन के 1/3 भाग को कर के रूप में वसूला जाता था।
- कर या तो नकद में दिया जाता था या फसल के रूप में।

### ज़मींदारों की भूमिका

ज़मींदार वे लोकल लोग थे जो भूमि पर स्वामित्व रखते थे और राजस्व इकट्ठा करने में मदद करते थे। मुगल शासक उनके साथ समझौता करके चलते थे।

## 5. अकबर की नीति 'सुलह-ए-कुल'

यह पूरे अध्याय का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु है। परीक्षा में इस टॉपिक पर लगभग हर बार प्रश्न आता है।

- परिभाषा: 'सुलह-ए-कुल' का अर्थ है "सभी के प्रति शांति (Peace to All)"। यह एक धार्मिक सहिष्णुता (Religious Tolerance) की नीति थी।
- आवश्यकता: अकबर के साम्राज्य में हिंदू, मुस्लिम, जैन, पारसी और ईसाई सभी धर्मों के लोग रहते थे। साम्राज्य को चलाने के लिए सबका सहयोग जरूरी था।
- प्रयास:
  - हिंदू राजपूत राजाओं से संधि की और उनकी राजकुमारियों से विवाह किए।



- जज़िया कर (Jizya Tax) – यह एक टैक्स था जो गैर-मुसलमानों पर लगता था, अकबर ने इसे हटा दिया।
- इबादतखाना (Ibadat Khana) – धर्म चर्चा के लिए आगरा में एक हॉल बनाया।
- दीन-ए-इलाही (Din-i-Ilahi) – अकबर ने सभी अच्छी बातों को मिलाकर एक नए धर्म की शुरुआत की, लेकिन यह असफल रहा।

## 6. सामान्य गलतियाँ

1. मुगलों को अफगान समझना: मुगल तुर्की-मंगोल थे, अफगान नहीं।
2. तारीखों का गलत क्रम: छात्र अक्सर पानीपत के युद्धों (1526, 1556, 1761) की तारीखें मिला देते हैं। ध्यान रखें: पहला युद्ध (1526) बाबर vs इब्राहिम लोदी, दूसरा (1556) अकबर vs हेमू।
3. "सुलह-ए-कुल" को केवल धर्म तक सीमित समझना: यह सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सहिष्णुता भी थी।
4. मनसबदार और जागीरदार में अंतर: मनसबदार एक पदाधिकारी है, जिसे वेतन के रूप में जागीर दी जाती थी। दोनों एक ही नहीं हैं।

## 7. याद रखने के लिए शॉर्टकट

आप मुगल शासकों के क्रम को याद रखने के लिए इस ट्रिक का उपयोग कर सकते हैं:

ट्रिक: "बोलो हाय अकबर तुझे जहाँ शाह औरंग है"

- बो – बाबर
- लो – (Humayun - हुमायूँ) - लो को ह्यूमन से मैच करें
- हाय – अकबर
- अकबर – अकबर
- तू – जहाँगीर
- जहाँ – शाहजहाँ
- शाह – शाहजहाँ (Repeat)
- औरंग – औरंगजेब

## 8. Quick Revision Notes (Pdf Download वाला फील)

यदि आप मुगल साम्राज्य का इतिहास pdf ढूँढ रहे हैं, तो आप इन बिंदुओं को अपनी नोटबुक में जरूर लिख लें:

1. संस्थापक: बाबर (1526)।
2. महानतम शासक: अकबर (1556-1605)।
3. प्रशासन: मनसबदारी प्रणाली (जात और सवार), जागीर प्रथा।
4. भू-राजस्व: राजा टोडरमल, दहसाला प्रणाली।
5. धार्मिक नीति: सुलह-ए-कुल (शांति-ए-कुल)।
6. पतन: औरंगजेब के बाद (1707)।

## 9. मुगल साम्राज्य का इतिहास pdf

पहलू (Aspect)	तथ्य (Fact)
स्थापना	1526, पानीपत का प्रथम युद्ध



अंतिम सशक्त शासक	औरंगज़ेब (1658-1707)
आधिकारिक भाषा	फारसी
प्रमुख सूबे	22 सूबे (काबुल, लाहौर, दिल्ली, आगरा, बंगाल आदि)
कला/वास्तुकला	ताजमहल (शाहजहाँ), बुलंद दरवाजा (अकबर)

## 10.FAQs

### 1. मुगल साम्राज्य की स्थापना किसने की और कब हुई?

मुगल साम्राज्य की स्थापना बाबर ने 21 अप्रैल 1526 को पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी को हराकर की थी।

### 2. 'मनसबदारी प्रणाली' किसने शुरू की थी?

मनसबदारी प्रणाली मुगल शासक अकबर ने शुरू की थी। इसके तहत अधिकारियों को उनकी रैंक (जात) और घुड़सवारों (सवार) के अनुसार वेतन दिया जाता था।

### 3. मुगल शासकों का सही कालानुक्रम क्या है?

बाबर (1526-1530), हुमायूँ (1530-1556), अकबर (1556-1605), जहाँगीर (1605-1627), शाहजहाँ (1628-1658), औरंगज़ेब (1658-1707)।

### 4. मुगल काल में 'सुलह-ए-कुल' का क्या मतलब था?

'सुलह-ए-कुल' का अर्थ 'सभी के प्रति शांति' है। यह अकबर द्वारा अपनाई गई धार्मिक सहिष्णुता और सद्भाव की नीति थी, जिसमें सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार किया जाता था।

### 5. मुगलों को 'मंगोल' कहलवाना क्यों पसंद नहीं था?

मुगलों को 'मंगोल' कहलवाना पसंद नहीं था क्योंकि चंगेज खान (मंगोल) की स्मृति नरसंहार और हिंसा से जुड़ी थी। वे अपने पूर्वज तैमूर के वंशज होने पर गर्व करते थे।

### 6. NCERT कक्षा 7 इतिहास अध्याय 4 के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न कौन सा है?

अध्याय 4 के लिए सबसे महत्वपूर्ण है मनसबदारी प्रणाली और अकबर की धार्मिक नीति। साथ ही, पानीपत की पहली लड़ाई के कारणों और परिणामों को अच्छे से याद करें।

### 7. मुगल साम्राज्य के अंतिम शक्तिशाली शासक कौन थे?

मुगल साम्राज्य के अंतिम शक्तिशाली शासक औरंगज़ेब (1658-1707) थे। उसकी मृत्यु के बाद साम्राज्य कमजोर पड़ने लगा।

### 8. मुगल प्रशासन में 'जात' और 'सवार' से क्या तात्पर्य है?

'जात' (Zat) मनसबदार (अधिकारी) के पद और वेतन को निर्धारित करता था, जबकि 'सवार' (Sawar) उसके पास मौजूद घुड़सवार सैनिकों की संख्या को दर्शाता था।

### 9. भू-राजस्व (Land Revenue) मुगल साम्राज्य के लिए क्यों महत्वपूर्ण था?



भू-राजस्व मुगल साम्राज्य की आय का सबसे बड़ा स्रोत था। इसी पैसे से सेना, अधिकारियों (मनसबदारों) को वेतन दिया जाता था और शासन चलाया जाता था।

## 10. मैं 'मुगल साम्राज्य का इतिहास pdf' डाउनलोड कहां से कर सकता हूँ?

आप UPSC, NCERT या अन्य शैक्षिक वेबसाइटों से PDF डाउनलोड कर सकते हैं। लेकिन यह लेख पूरी तरह से NCERT पर आधारित है, इसलिए आप इस पेज को सेव करके भी पूरा अध्याय पढ़ सकते हैं।

## Conclusion

तो दोस्तों, यह था हमारा NCERT Class 7 History का अध्याय 4 – "मुगल साम्राज्य का इतिहास (pdf)" । मुगल सिर्फ ताजमहल बनाने वाले नहीं थे, बल्कि उन्होंने एक ऐसा मजबूत प्रशासनिक तंत्र दिया, जिसके आधार पर ब्रिटिश हुकूमत ने भी अपना शासन खड़ा किया।

अंत में, मुगल साम्राज्य का यह दौर UPSC, SSC और स्कूल परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। 'मनसबदारी' और 'सुलह-ए-कुल' को कभी भी हल्के में न लें। इन नोट्स को सेव करें और परीक्षा से पहले जरूर पढ़ें।

लेखक परिचय:

लेखक पिछले 4 वर्षों से UPSC एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अध्ययन से जुड़े हुए हैं। इनका वैकल्पिक विषय Public Administration रहा है। इन्होंने BCA तथा Advanced Diploma in Software की शिक्षा प्राप्त की है। वर्तमान में ये DevOps एवं Server Engineer के रूप में कार्यरत हैं और Education, Technology, NCERT Foundation एवं Competitive Exam Preparation से जुड़े विषयों पर गहराई से अध्ययन एवं लेखन करते हैं।

[Read दिल्ली सल्तनत: पूरा इतिहास, वंश, शासक, प्रशासन और पतन](#)

